'मनुष्य स्वयं ही सुख-दु:ख का कर्त्ता है'

- साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा

सरदारशहर 23 अगस्त 2010

तेरापंथ भवन में उपस्थित धर्मसभा को संबोधित करते हुए साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने अपने प्रवचन में कहा कि सत्य इस दुनिया में सारभूत तत्व है। जो ज्ञानो होता ह वह जीन होता है, जीन भगवान होते हैं हमारा सौभाग्य है कि हमें अनेकांत जैसा दृष्टिकोण मिला, अनेकांत के द्वारा व्यक्ति अनेक दृष्टियों से देख सकता है और वह सत्य का प्रतिपादन कर सकता है।

साध्वीप्रमुखा कनकप्रभा ने आगे कहा कि मनुष्य का लक्ष्य वीतरागता का रहे तीन रत्नों की आराधना करें वे तीन रत्न हैं सम्यक दर्शन, सम्यक ज्ञान, सम्यक चारित्र है। मनुष्य की आस्था देव, गुरु, धर्म के प्रति प्रगाढ हो जो आस्थावान होता है वह सम्यक ज्ञान प्राप्त कर सकता है, जब तक वास्तविकज्ञान, आत्मज्ञान नहीं होता ह तो आदमी आगे नहीं बढ़ सकता है। उन्होंने कहा कि सम्यकत्व से बड़ा कोई मित्र नहीं हो सकता।

उन्होंने यह भी कहा मनुष्य स्वयं ही सुख-दु:ख का कर्ता है, मनुष्य जाति एक है, मनुष्यत्व सबमें है, मनुष्य ने स्वयं ही जाति, संप्रदाय के आधार पर बांटा है, मनुष्य को बांटने की प्रवृति मनुष्य में ही है वह प्रकृति में नहीं है, अगर मनुष्य को उपर उठना है तो उसे आचरण ठीक करना होगा, सत्य को अपने जीवन में उतारना होगा।

प्रवचन के पश्चात आचार्यश्री महाश्रमण ने उपस्थित जन समुदाय को मंगल पाठ सुनाया व सरदारशहर में 17 सितम्बर को आयोजित होने वाले दीक्षा समारोह में मुमुक्षु शुभम श्यामसुखा को भी दीक्षा प्रदान करने की अनुमति प्रदान की। कार्यक्रम का संचालन मुनि मोहजीतकुमार ने किया।

कर्णाटक अकादमी को मिलेगा जीवन विज्ञान पुरस्कार

सरदारशहर 23 अगस्त 2010

केन्द्रीय जीवन विज्ञान अकादमी जैन विश्व भारती लाडनूं के द्वारा प्रतिवर्ष दिया जाने वाला जीवन विज्ञान पुरस्कार 2009 का कर्णाटक जीवन विज्ञान अकादमी को प्रदान किया जायेगा। नाहटा चेरिटेबल ट्रस्ट कोलकाता के सौजन्य से दिये जाने वाले इस पुरस्कार की घोषणा जैन विश्व भारती के अध्यक्ष सुरेन्द्र चौरड़िया ने की। चौरड़िया के अनुसार यह पुरस्कार आगामी दिनों में आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आयोजित होने वाले एक विशिष्ट कार्यक्रम में कर्णाटक जीवन विज्ञान अकादमी के अध्यक्ष मूलचन्द नाहर एवं उनके कार्यकर्ताओं को प्रदान किया जायेगा। मूलचन्द नाहर लाडनूं स्थित जीवन विज्ञान भवन का निर्माण में भी सहयोग प्रदान कर रहे हैं।

क्वीज प्रतियोगिता की तैयारियों जोरों पर

सरदारशहर WX अगस्त 2010

तेरापंथ सभा द्वारा 26 अगस्त की रात्रि 7.30 बजे आचार्य महाश्रमण के सान्निध्य में आयोजित महात्मा महाप्रज्ञ क्वीज प्रतियोगिता की तैयारियां जोरों पर है। प्रतियोगिता को सकल बनाने के लिए तेरापंथ सभा, तेरापंथ महिला मण्डल, तेरापंथ कन्या मण्डल की कार्यकर्ताएं जोर-सोर से लगी हुई है। आयोजन किया जायेगा। मुनि जयंतकुमार एवं मुनि भव्य कुमार के निर्देशन में आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता के मुख्य राउंड में पहुंचने के लिए 26 को सायं 7 बजे आयोजित प्रवेश परीक्षा में उत्तीर्ण होना आवश्यक होगा। तेरापंथ भवन में नया चिंतन, नया अन्दाज की तर्ज पर आयोजित होने वाली इस प्रतियोगिता की जानकारी देते हुए सभा के अध्यक्ष अशोक नाहटा ने बताया कि यह प्रतियोगिता आचार्य महाप्रज्ञ को अनुपम श्रद्धांजलि के रूप में आयोजित है। प्रतियोगिता की आधार पुस्तक आचार्य महाश्रमण द्वारा लिखित 'महात्मा महाप्रज्ञ' रखी गई है। सभा के मंत्री करणीदान चिण्डालिया के अनुसार प्रतियोगिता को नया रूप देने के लिए भीलवाड़ा के युवा संगायक एवं गीतकार संजय भानावत को विशेष रूप से आमंत्रित किया गया है और प्रतियोगिता को लाईव दिखाने के लिए बड़े पर्दे की भी व्यवस्था की गई है। प्रतियोगिता के संयोजक तेजकरण भंसाली एवं चम्पालाल भंसाली ने बताया कि इस प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान प्राप्त करने वालों को आकर्षक पुरस्कार प्रदान किये जाने के साथ दो प्रोत्साहन पुरस्कार भी प्रदान किये जायेंगे।

- शीतल बरड़िया (मीडिया संयोजक)